

संचय पुं. (तत्.) 1. वस्तुएँ एकत्रित करने की क्रिया 2. इकट्ठा करना 3. अधिकता 4. एकत्रित की हुई चीजों का ढेर या राशि, संग्रह।

संचयन पुं. (तत्.) 1. इकट्ठा करना, जमा करना 2. शव भस्म होने के तीसरे दिन अस्थि चुनने की क्रिया।

संचयी वि. (तत्.) संचय करने वाला पुं. कृपण, कंजूस।

संचरण पुं. (तत्.) 1. चलना, गमन 2. भ्रमण 3. फैलना 4. काँपना।

संचरना अं. (तत्.) 1. घूमना फिरना 2. फैलाना।

संचल पुं. (तत्.) साँचर नमक वि. काँपता हुआ।

संचलन पुं. (तत्.) 1. हिलना-डुलना 2. चलना 3. काँपना।

संचान पुं. (तत्.) 1. श्येन 2. बाज 3. शिकरा।

संचार पुं. (तत्.) 1. गमन, चलना 2. चलाना 3. अंदर प्रवेश कर फैलना 4. स्पर्श द्वार संक्रमण 5. दो स्थानों के बीच रेल, डाकर तार, रेडियो आदि से संपर्क 6. मार्ग दर्शन 7. उत्तेजित करना।

संचारक वि. (तत्.) 1. संचार करने की क्रिया या भाव 2. भडकना 3. भेजने, फैलाने की क्रिया।

संचार-साधन पुं. (तत्.) 1. दो या अधिक स्थानों या व्यक्तियों के बीच संबंध स्थापित करने के साधन 2. डाक, तार, रेडियो, दूरदर्शन आदि संपर्क के साधन।

संचारिका स्त्री. (तत्.) 1. दूती, कुटनी 2. नाक 3. बू, गंध।

संचारिणी स्त्री. (तत्.) संचार करने वाली स्त्री, हंसपदी नाम की लता।

संचारित वि. (तत्.) 1. जिसका संचार किया गया हो 2. चलाया या फैलाया हुआ 3. पहुँचाया हुआ 4. भडकाया हुआ।

संचारी वि. (तत्.) 1. संचार करने वाला 2. घूमने-फिरने वाला, भ्रमणशील 3. परिवर्तनशील 4.

प्रवेश करने वाला 5. संक्रामक 6. आने वाला, आगंतुक।

संचाल पुं. (तत्.) ठोस पदार्थ के हिलने-डुलने का कार्य, कंपन, डोलने का कार्य, दोलन।

संचालक पुं. (तत्.) 1. निर्धारित कार्य व्यवस्थित रूप से सम्पन्न कराने वाला व्यक्ति, संचालन करने वाला 2. निर्देश देने वाला, निर्देशक, निदेशक।

संचालन पुं. (तत्.) निर्धारित कार्य को व्यवस्थित रूप से सम्पन्न कराने की प्रक्रिया, संचालक द्वारा उठाया जाने वाला उत्तरादित्व, निर्देशन।

संचालित वि. (तत्.) व्यवस्थित रूप से संपन्न किया जा चुका या किया जा रहा कार्य, निर्देशित, निदेशित।

संचाली वि. (तत्.) संचालन करने वाला, निर्देश देने वाला, हिदायत देने वाला।

संचिका स्त्री. (तत्.) 1. कागज-पत्रों को सुरक्षा से रखा जाने वाला आवरण या कवर 2. कागज पत्रों को जोड़ कर रखने वाली क्लिप।

संचित वि. (तत्.) जमा किया हुआ, जोड़ा हुआ इकट्ठा किया हुआ, संग्रहीत।

संचितकर्म पुं. (तत्.) पुनर्जन्म की मान्यता के अनुसार पूर्व जन्म में किए गए शुभ-अशुभ सभी कार्य।

संचिति स्त्री. (तत्.) 1. जमा की गई संपत्ति, जोड़ी गई धन-संपत्ति 2. निर्माण कार्य में ईंटों की चिनाई का काम, लदाव।

संचयिक वि. (तत्.) 1. एकत्रित करने वाला 2. जो संचय करता हो।

संछेदन पुं. (तत्.) 1. अंतरिक्ष में किसी वक्रगामी वस्तु का अन्य वस्तु को काटने का कार्य 2. वक्र रेखा से अन्य किसी रेखा को काटने का कार्य।

संज पुं. (तत्.) 1. चिपकने का कार्य, जुड़ने का कार्य, साथ लग जाने का कार्य, आलिंगन 2. अनुरक्त होने का कार्य।